2. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर दिए गए संकेत बिंदुओं के आधार पर लगभग **250 - 300** शब्दों में निबंध लिखें : $1 \times 10 = 10$

(क) वसंत ऋतु

(i) भूमिका

(ii) महत्व

(iii) ऋतुओं का राजा

(iv) उपसंहार

(ख) प्रिय खेल : फुटबॉल

(i) भूमिका

(ii) तैयारी

(iii) खिलाड़ियों की संख्या

(iv) दृश्य

(v) उपसंहार

(ग) पानी की बचत

(i) भूमिका

(ii) महत्त्व

(iii) उपाय

(iv) लाभ

(v) उपसंहार

(घ) पर्यावरण दिवस

(i) भूमिका

(ii) महत्त्व

(iii) आवश्यकता

(iv) लाभ

(v) निष्कर्ष

(ङ) कम्प्यूटर

(i) भूमिका

(ii) आवश्यकता

(iii) लाभ

(iv) हानि

(v) निष्कर्ष

3. अपने प्रधानाध्यापक के पास एक आवेदन पत्र लिखें, जिसमें विद्यालय की साफ-सफाई करवाने का निवेदन किया गया हो । 5

अथवा

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम के महत्त्व के बारे में दो छात्रों के बीच हुए संवाद को लिखें ।

2. क

वसंत ऋतु

भूमिका

भारत विविधताओं का देश है, जहाँ छह ऋतुएँ बारी-बारी से आकर अपनी छटा बिखेरती हैं। इन सभी ऋतुओं में 'वसंत ऋतु' का स्थान सर्वोपरि है। शीत ऋतु की विदाई के बाद फाल्गुन और चैत्र मास में इसका आगमन होता है। यह वह समय है जब प्रकृति अपनी गहरी निद्रा से जागती है और चारों ओर नव-जीवन का संचार होता है। न अधिक ठंड और न अधिक गर्मी वाला यह सुहावना मौसम हर किसी के मन को स्फूर्ति से भर देता है।

महत्व

वसंत ऋतु का महत्व प्राकृतिक और सांस्कृतिक दोनों दृष्टियों से अपार है। स्वास्थ्य के लिए यह मौसम सबसे उत्तम माना जाता है क्योंकि मंद-मंद बहने वाली शीतल और सुगंधित वायु शरीर में नई शक्ति भरती है। किसानों के लिए यह अत्यंत हर्ष का समय होता है; खेतों में सरसों के पीले फूल सोने की तरह चमकते हैं और गेहूँ की बालियाँ लहलहाने लगती हैं। इसी ऋतु में 'वसंत पंचमी' और 'होली' जैसे प्रमुख त्योहार मनाए जाते हैं, जो जीवन में रंग और उल्लास भर देते हैं।

ऋतुओं का राजा

अपनी अनुपम सुंदरता और सुखद वातावरण के कारण वसंत को 'ऋतुराज' यानी ऋतुओं का राजा कहा जाता है। इस समय प्रकृति का श्रृंगार देखते ही बनता है। बागों में रंग-बिरंगे फूल खिल उठते हैं और वृक्ष नए कोमल पत्तों से लद जाते हैं। आम के पेड़ों पर आए बौरों पर भौरें गुंजार करने लगते हैं और कोयल की मधुर कूक वातावरण को जीवंत बना देती है। प्रकृति के इस मनोरम दृश्य के सामने अन्य सभी ऋतुएँ फीकी नजर आती हैं।

उपसंहार

अंततः, वसंत ऋतु आशा, उमंग और सौंदर्य का प्रतीक है। यह हमें संदेश देती है कि कठिन समय (पतझड़) के बाद सुखद समय अवश्य आता है। वसंत की जादुई छटा न केवल प्रकृति को बल्कि मनुष्य के अंतर्मन को भी आनंदित करती है। हमें इस ऋतु की पवित्रता और प्रकृति की सुरक्षा का संकल्प लेना चाहिए ताकि यह 'ऋतुराज' सदैव हमारे जीवन को महकाता रहे।

घ

1. **भूमिका (Introduction):** विषय का परिचय और पर्यावरण दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य।
2. **महत्व (Importance):** हमारे जीवन में स्वच्छ पर्यावरण की भूमिका और इसके संरक्षण की महत्ता।
3. **आवश्यकता (Necessity):** प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन जैसी समस्याओं के कारण आज पर्यावरण संरक्षण की जरूरत क्यों है।
4. **लाभ (Benefits):** एक स्वस्थ और सुरक्षित पर्यावरण से मानव जाति और प्रकृति को होने वाले फायदे।
5. **निष्कर्ष (Conclusion):** पूरे विषय का सार और पर्यावरण को बचाने के लिए व्यक्तिगत व सामूहिक जिम्मेदारी।

3.

सेवा में,

श्रीमान प्रधानाध्यापक महोदय,

[आपके विद्यालय का नाम],

[शहर का नाम]।

विषय: विद्यालय परिसर की साफ-सफाई हेतु आवेदन पत्र।

महाशय,

सविनय निवेदन यह है कि मैं आपके विद्यालय की [अपनी कक्षा लिखें] कक्षा का छात्र हूँ। मैं आपका ध्यान विद्यालय परिसर में पिछले कुछ दिनों से बढ़ रही गंदगी की ओर आकर्षित करना चाहता हूँ। विद्यालय के खेल के मैदान और कक्षाओं के पीछे कूड़े के ढेर जमा हो गए हैं, जिससे वातावरण दूषित हो रहा है और बीमारियाँ फैलने का डर बना रहता है।

अतः आपसे विनम्र प्रार्थना है कि विद्यालय की उचित साफ-सफाई करवाने की कृपा करें, ताकि हम सभी छात्र एक स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में शिक्षा ग्रहण कर सकें।

इसके लिए हम सभी विद्यार्थी आपके सदा आभारी रहेंगे।

आपका आज्ञाकारी छात्र,
नामः [आपका नाम]
कक्षाः [आपकी कक्षा]
अनुक्रमांकः [आपका रोल नंबर]
दिनांकः 29 जून, 2026

प्रश्न 4: निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर

- **(i) भीमराव अंबेडकर के अनुसार जाति प्रथा श्रम विभाजन का स्वाभाविक रूप क्यों नहीं है?**
  अंबेडकर के अनुसार, जाति प्रथा श्रम विभाजन के साथ-साथ **श्रमिकों का विभाजन** भी करती है। यह मनुष्य की रुचि या कार्य-कुशलता पर आधारित न होकर उसके **जन्म** पर आधारित होती है, जो व्यक्ति को जन्म से ही किसी खास पेशे में बाँध देती है।

- **(ii) कवि गुरु नानक की दृष्टि में ब्रह्म का निवास कहाँ है?**
  गुरु नानक के अनुसार, जो मनुष्य मान-अपमान, सुख-दुःख और लोभ-मोह से मुक्त है तथा जिसके हृदय में काम-क्रोध का वास नहीं है, उसी **शुद्ध अंतःकरण (हृदय)** में ब्रह्म का निवास होता है।

- **(iii) 'दही वाली मंगम्मा' कहानी के अनुसार 'बारी' किसे कहते हैं?**
  'बारी' उस रीति को कहते हैं जिसमें रोज़ाना दही देना और महीने के अंत में या किसी खास अवसर पर उसका भुगतान (पैसे या अनाज के रूप में) प्राप्त करना शामिल है।

- **(iv) अपने शागिर्दों के बारे में बिरजू महाराज की क्या राय है?**
  बिरजू महाराज अपने शागिर्दों (जैसे शाश्वती आदि) को बहुत **प्रतिभाशाली और समर्पित** मानते थे। वे उन्हें अपनी कला की विरासत को आगे ले जाने वाला उत्तराधिकारी समझते थे।

- **(v) 'हमारी नींद' कविता में कवि 'गरीब बस्तियों' का उल्लेख क्यों करता है?**
  कवि यह बताने के लिए गरीब बस्तियों का उल्लेख करता है कि जहाँ एक ओर लोग सो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर गरीबों का **शोषण** जारी है। वहां भी 'धमाके से देवी जागरण' जैसे आयोजनों के माध्यम से उनकी असहायता का प्रदर्शन होता है।

- **(vi) पाप्पाति कौन थी और वह शहर क्यों लायी गयी थी?**
  पाप्पाति वल्लिअम्माल की पुत्री थी। उसे 'मेनिनजाइटिस' (मस्तिष्क ज्वर) नामक बीमारी थी, जिसके **इलाज** के लिए उसे मदुरै शहर के बड़े अस्पताल लाया गया था।

- **(vii) आविन्यों क्या है और वह कहाँ अवस्थित है?**
  आविन्यों दक्षिण फ्रांस में रोन नदी के किनारे बसा एक **पुराना ऐतिहासिक शहर** है। यह किसी समय पोप की राजधानी भी रहा है।

- **(viii) हिरोशिमा में मनुष्य की साखी के रूप में क्या है?**
  हिरोशिमा में अणु बम के विस्फोट से जो लोग वाष्प बनकर उड़ गए, उनकी **काली झुलसी हुई छायाएँ** दीवारों और सड़कों के पत्थरों पर आज भी 'साखी' (गवाह) के रूप में मौजूद हैं।

- **(ix) 'धरती कब तक घूमेगी' कहानी में सीता के बेटों के नाम क्या हैं?**
  सीता के तीन बेटे हैं: **कैलाश, नारायण और बिजू**।

प्रश्न 5: व्याख्या और आशय

- **(i) सप्रसंग व्याख्या: "कमबख्त नाखून बढ़ते हैं तो बढ़ें, मनुष्य उन्हें बढ़ने नहीं देगा।"**
  यह पंक्ति हजारी प्रसाद द्विवेदी के निबंध 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' से ली गई है। यहाँ नाखून **पाशविक वृत्ति (पशुता)** के प्रतीक हैं। लेखक का कहना है कि भले ही हमारे भीतर की आदिम हिंसक प्रवृत्तियाँ बार-बार उभरें, लेकिन मनुष्य अपनी संस्कृति, विवेक और संयम से उन्हें नियंत्रित करता रहेगा।